हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 215 कानपुर, मंगलवार 2 अगस्त 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रूपये

■ **आईपीएस विजय सिंह मीणा हटे, सीनियर आईपीएस बीपी जोगदंड को मिली कानपुर कमिश्नरेट की कमान**

सीएम योगी ने स्कूल छात्रों को दिया 1200 रुपये का तोहफा, 1.91 करोड़ विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार बटन दबाकर 1.91 करोड़ विद्यार्थियों के लिए उनके अभिभावकों के खाते में जूता मोजा, स्कूल यूनिफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग, पेन, पेंसिल, कॉपी, रबर व कटर के लिए 1200 रुपये ट्रांसफर कर दिए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने सर्वोच्च स्वच्छता वाले विद्यालय के प्रधानाध्यापकों और ग्राम प्रधानों को स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम में कायाकल्प दिव्यांजली पोर्टल का भी अनावरण किया गया। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 1. 91 करोड़ परिषदीय स्कूलों के बच्चों को डीबीटी से पैसा ट्रांसफर कर बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का अभियान शुरू हुआ। स्कूल चलो अभियान के अच्छे परिणाम आये हैं। अभियान की सफलता से 1.91 करोड़ नामांकन हुआ है। कोरोना के कारण हमारा जनजीवन प्रभावित हुआ है। कोरोना से हमारी बेसिक शिक्षा भी सबसे अधिक प्रभावित हुई है। इस दौरान सरकार ने प्रयास कर ऑनलाइन और दूरदर्शन के जरिये शिक्षा की व्यवस्था की।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले स्कूलों की स्थिति अच्छी नहीं थी। स्कूलों में कहीं शिक्षक थे तो छात्र नहीं थे। कहीं भवन नही थे। स्कूल में बिल्डिंग में बड़े बड़े पेड़ थे, स्कूल भवन पार्क लगता था। अभिभावक बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते थे लेकिन अब बेसिक शिक्षा को विश्वास का प्रतीक बनाया गया है। पांच साल में विद्यार्थियों की संख्या 1.34 करोड़ से बढ़कर 1.91 करोड़ हो गई है। पहले 60 फीसदी विद्यार्थियों को नंगे पैर स्कूल जाना पड़ता था पर अब वो बच्चे भी कॉन्वेंट स्कूल की तर्ज पर स्थापित परिषदीय स्कूल में जा रहे है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों पर बड़ी जिम्मेदारी है।

बच्चों का माता–पिता के बाद सबसे अधिक संवाद शिक्षक से ही होता है। बच्चों की बेसिक शिक्षा की जिम्मेदारी के वाहक शिक्षक हैं। आज का समय तकनीक का समय है। तकनीक के साथ भावनात्मक जुड़ाव रखना होगा। तकनीक से परहेज नहीं करना है। तकनीक बच्चे के आगे बढ़ने का रास्ता प्रशस्त करेगी लेकिन संवेदना बच्चे को राष्ट्र से जुड़ने की प्रेरणा देगी।

अमित शाह का 8 अगस्त को ओडिशा दौरा, इंडोर स्टेडियम में करेंगे जनता को संबोधित

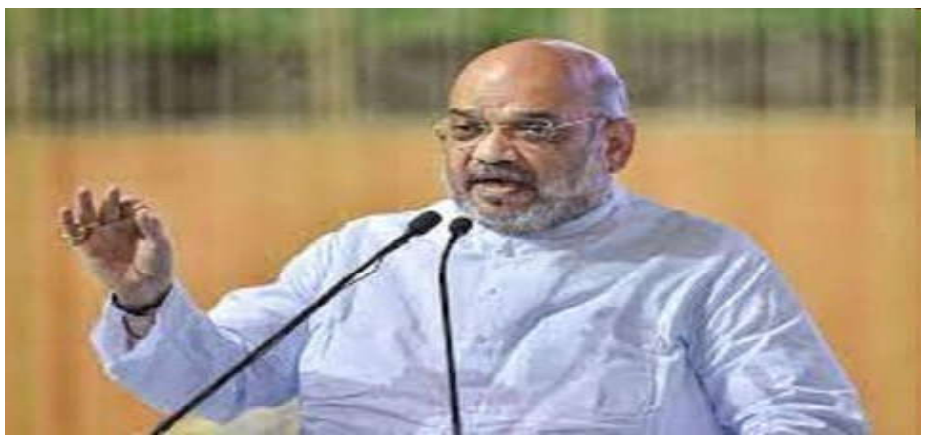

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आठ अगस्त को ओडिशा का दौरा करेंगे और प्रख्यात स्वतंत्रता संग्रामी एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरेकृष्ण महताब द्वारा स्थापित ओड़िया समाचार पत्र प्रजातंत्र के 75 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, प्रजातंत्र की 75वीं वर्षगांठ उसी साल हो रही है, जब देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं. इसी साल ओडिशा की बेटी देश की राष्ट्रपति बनीं. ऐसे समय में शाह का ओडिशा दौरा महत्व रखता है । धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कटक में एक बैठक की अध्यक्षता की, जो अमित शाह के दौरे से पहले की जा रही तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित की गई. उन्होंने इनडोर स्टेडियम का भी दौरा किया, जहां कार्यक्रम का आयोजन होना है. बीजू जनता दल (बीजद) नेतृत्व के साथ मतभेदों के कारण पार्टी द्वारा अलग–थलग किए गए लोकसभा सदस्य भर्तृहरि महताब समाचार पत्र के मौजूदा संपादक हैं. राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए प्रधान ने महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को कटक में उनके जन्मस्थल जानकीनाथ भवन में श्रद्धांजलि दी ।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, नेता जी के जन्मस्थल जानकीनाथ भवन, जिसे अब संग्रहालय में बदल दिया गया है, वह किसी तीर्थस्थल से कम नहीं है. यह मेरा सौभाग्य है कि मैं भारत के महान सपूत, राष्ट्र के नायक और साहस एवं बलिदान के प्रतीक को श्रद्धांजलि देने के लिए आज फिर इस पवित्र स्थल पर गया ।

सीएम ममता ने बंगाल में 7 नए जिले बनाने का किया एलान, मंत्रालय में बदलाव की भी की घोषणा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने सोमवार को बड़ा एलान करते हुए राज्य में 7 नए जिले बनाने की घोषणा की है। सीएम ममता ने जानकारी देते हुए कहा कि पहले बंगाल में 23 जिले थे अब इसे बढ़ाकर 30 कर दिया गया है। 7 नए जिलों में सुंदरबन, इछेमती, राणाघाट, बिष्णुपुर, जंगीपुर, बेहरामपुर और बशीरहाट शामिल हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी ने कैबिनेट फेरबदल को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मीडिया में यह बताया जा रहा है कि हम पूरे मंत्रालय को भंग करने जा रहे हैं जो कि बिल्कुल गलत है। हां, फेरबदल होगा लेकिन कुछ मंत्रालयों में। हमने मंत्री सुब्रत मुखर्जी, साधन पांडे को खो दिया है। पार्थ जेल में है इसलिए उनका सारा काम करना है।

मेरे लिए अकेले संभालना संभव नहीं है। इसलिए इस बुधवार को जरूरी मंत्रालय में फेरबदल कर दिया जाएगा।

बिहार में बोले जेपी नड्डा- बीजेपी इकलौती राष्ट्रीय पार्टी, समाप्त हो गए क्षेत्रीय दल

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार से विपक्षी पार्टियों और क्षेत्रीय दलों पर निशाना साधा है. बीजपी संयुक्त मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने पटना पहुंचे जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और साथ ही लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और यूपी की समाजवादी पार्टी (सपा) समेत क्षेत्रीय दलों पर भी निशाना साधा. जेपी नड्डा ने कहा है कि देश में बीजेपी ही एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है. उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रीय दलों का सफाया होने की कगार पर है. जेपी नड्डा ने बीजेपी के सभी सात फ्रंटल संगठनों की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के मौके पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी नाम लिए बगैर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाई और बहन की पार्टी थी. बीजेपी अध्यक्ष ने आगे कहा कि बिहार में लालू प्रसाद की आरजेडी, यूपी में अखिलेश यादव की सपा, महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, ओडिशा में बीजू जनता दल, तमिलनाडु में वाईएसआर कांग्रेस, तेलंगाना राष्ट्र समिति और अन्य परिवारवादी पार्टियां, क्षेत्रीय दल या तो समाप्त हो गए हैं या फिर राजनीति में खत्म होने की कगार पर पहुंच चुके हैं । उन्होंने ये भी कहा कि राजनीति में सिर्फ बीजेपी ही प्रासंगिक रहेगी क्योंकि ये विचारधारा पर आधारित एकमात्र पार्टी है. भाई–बहन और अन्य सभी पारिवारिक दल या तो खत्म हो गए हैं या जल्द ही खत्म हो जाएंगे. जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के सभी राज्यों में लगभग खत्म हो चुकी है. उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय दल में बीजेपी से लड़ने की क्षमता नहीं है. गौरतलब है कि बिहार में बीजेपी संयुक्त मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें 2024 के लोकसभा चुनाव और नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के साथ गठबंधन पर भी चर्चा हुई. बीजेपी संयुक्त मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि पार्टी, 2024 का लोकसभा चुनाव भी प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़ेगी । बीजेपी की ओर से संयुक्त मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ये भी साफ कर दिया गया कि बिहार में जेडीयू के साथ गठबंधन जारी रहेगा. बीजेपी की ओर से ये साफ कह दिया गया है कि पार्टी 2024 का लोकसभा चुनाव और 2025 का बिहार विधानसभा का चुनाव भी जेडीयू के साथ गठबंधन कर ही लड़ेगी ।

केजरीवाल ने कहा- आप सत्ता में आई तो गुजरात के हर युवा को नौकरी, बेरोजगारों को 3,000 रुपये मासिक भत्ता

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य में 3,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने और हर युवा को नौकरी देने का वादा किया। नौकरी का वादा करने से पहले केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी शासित राज्य में सत्ता में आने पर प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का आश्वासन दिया था। गुजरात में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत तक होने वाले हैं। सौराष्ट्र क्षेत्र के गिर सोमनाथ जिले के वेरावल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप गुजरात में सरकार बनाती है, तो उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि अगले पांच वर्षों में प्रत्येक बेरोजगार युवा को नौकरी मिले। उन्होंने कहा, जब तक हम हर बेरोजगार युवा को नौकरी नहीं देते, तब तक उन्हें 3,000 रुपये प्रति माह बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। अपनी पार्टी के चुनाव पूर्व गारंटी के हिस्से के रूप में, केजरीवाल ने 10 लाख सरकारी नौकरियां सृजित करने का वादा

किया। आप नेता ने सरकारी भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने पर रोक लगाने और दोषियों को दंडित करने के लिए कानून बनाने का भी वादा किया। जानकारी के मुताबिक हाल के दिनों में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने के कई मामले सामने आए हैं। केजरीवाल ने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रश्नपत्र लीक के लिए जिम्मेदार माफिया को कड़ी सजा मिले और गुजरात में पेपर लीक की व्यवस्था बंद हो। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सत्ता में आने पर सहकारी क्षेत्र में भर्ती प्रक्रिया में सुधार करेगी और इसे पारदर्शी बनाएगी, ताकि सिफारिशों या रिश्वत के जरिए युवाओं को वहां नहीं रखा जा सके, जैसा कि अभी हो रहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया बोले- सकारात्मक दृष्टिकोण से होगा चुनौतियों का समाधान

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को कहा कि समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ–साथ सकारात्मक दृष्टिकोण और मानसिक ढांचा एक स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण निर्माण खंड हैं। मंडाविया केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के वरिष्ठ प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार भी मौजूद थे। सीजीएस अधिकारियों के लिए पारस्परिक संचार, प्रशासन और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में उनके कौशल को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) में एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सीजीएचएस एक स्वास्थ्य योजना है जो अपने उन करीब 41.2 लाख लाभार्थियों को व्यापक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करती है, जो मुख्य रूप से केंद्र सरकार

के कर्मचारी और पेंशनभोगी हैं, इसके 460 वेलनेस सेंटर देशभर में 75 शहरों में फैले हुए हैं। इस मौके पर मंडाविया ने कहा, आइए हम काम के लिए अपने घरों से बाहर निकलते ही अपना रवैया बदलें। एक सकारात्मक दृष्टिकोण और स्वस्थ मानसिक ढांचा, समपर्ण और प्रतिबद्धता के साथ एक स्वस्थ और प्रगतिशील राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण निर्माण खंड हैं। मंडाविया ने पारस्परिक संचार और शिकायत निवारण के लिए एक मजबूत उपकरण के रूप में संवाद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जो संगठन और व्यक्ति सीखने की स्थिति में हैं वे हमेशा प्रगति करेंगे। हमें हमेशा विद्यार्थी भाव से लाभ होगा। उन्होंने आगे कहा, सहानुभूति, देखभाल और कौशल हमारी तकनीकी और नैदानिक क्षमताओं को और बढ़ाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण से कई चुनौतियों का समाधान किया जाता है। पवार ने कहा कि एक संगठन के रूप में सीजीएचएस ने अपने नेटवर्क का विस्तार किया है और अब यह देशभर के 75 शहरों में लगभग 450 वेलनेस सेंटरों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस अवधि में स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास के साथ तालमेल रखने के लिए इसमें कई बदलाव हुए हैं जैसे सेवाओं का डिजिटलीकरण और विभिन्न नए स्वास्थ्य तौर–तरीकों को शामिल करना।

उन्होंने कहा कि इन परिवर्तनों की योजना और कार्यान्वयन पूरे कार्यबल के लगातार प्रयासों और कड़ी मेहनत के कारण ही संभव हो पाया है।

सम्पादकीय

लोकलुभावन वादों का जटिल मामला

राजनीतिक दलों द्वारा लोकलुभावन वादे (फ्रीबीज) करने पर चर्चा लंबे समय से चली आ रही है. हाल में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी के साथ इस पर नये सिरे से बहस हो रही है. इस मसले को समझने के लिए हमें कुछ बिंदुओं का संज्ञान लेना चाहिए– लोकतांत्रिक व्यवस्था में वादे करने और उन वादों पर जनता के फैसले की अहमियत, राज्यों पर ऐसी योजनाओं के खर्च के बोझ का हिसाब तथा इन मामलों में अदालत का दखल. लोकतंत्र में यह अधिकार सभी दलों को है कि वे लोकहित में जो अच्छा समझें, उसे जनता के सामने रखें. पहला सवाल तो यह उठता है कि लोकलुभावन का मतलब क्या है? इसकी कोई सर्वमान्य या स्थापित परिभाषा नहीं है. जनता के एक वर्ग के लिए सस्ते में कोई साधन मुहैया कराया जा रहा है या आय बढ़ाने के लिए कोई सहयोग दिया जा रहा है, इसे फ्रीबीज कहना ठीक नहीं है.

दुनियाभर की कल्याणकारी व्यवस्थाओं में ऐसी मदद दी जाती है. यह उन देशों में भी किया जाता है, जो आर्थिक रूप से बहुत अधिक संपन्न व समृद्ध हैं. अनेक देशों में स्वास्थ्य व शिक्षा निशुल्क है. ऐसी सुविधाएं हर नागरिक के लिए हैं, चाहें उनकी आर्थिक स्थिति जो हो. हमारे देश में ऐसी योजनाएं आम तौर पर गरीबी रेखा से नीचे और बेहद कम आय के लोगों के लिए है. ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जो देश राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से हमसे आगे माने जाते हैं, क्या वे और उनकी पार्टियां लोगों को लुभाने में लगी हुई हैं.

क्या ऐसी योजनाओं और वादों का गलत राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है, यानी जैसा अदालत ने कहा है, क्या यह सब वोट 'खरीदने' की कवायद है? लोकतंत्र में पार्टियां लोगों के सामने अपनी नीतियों को रखती हैं. इस पर फैसला जनता को करना होता है. अगर वह उन वादों पर मुहर लगाती है, तो इसका मतलब है कि वह चाहती है कि वे चीजें उसे मिलें. अदालतें भी संविधान के तहत ही आती हैं. हम जानते हैं कि गणतंत्र में वही होगा, जो लोग चाहेंगे. मान लें कि किसी पार्टी ने ऐसे वादे किये, पर जनता ने उसे नहीं चुना, तो उसका मतलब यह हुआ कि वे कथित फ्रीबीज लागू नहीं होंगे. इस प्रक्रिया पर कोई रोक तभी लग सकती है, जब वादे संविधान के मूलभूत सिद्धांतों एवं प्रावधानों के विपरीत हों. यह तो राजनीतिक दलों को ही तय करना होगा कि वह जनता से क्या वादा करे और क्या नहीं. जिसे फ्रीबीज कहा जा रहा है, संविधान में कहीं उस पर कोई रोक तो नहीं है. ऐसे में सबसे पहले इस पर चर्चा होनी चाहिए कि ऐसे मामलों में अदालतों का अधिकार क्षेत्र क्या होगा. यह एक सही चिंता है कि कई राज्यों की वित्तीय स्थिति खराब है और वे कर्ज में डूबे हुए हैं. उनके संबंध में सबसे पहले यह समझा जाना चाहिए कि कितना वित्तीय दबाव कल्याणकारी योजनाओं से आता है और कितना अन्य तरह के खर्च से. कई तरह के अनुदान दिये जाते हैं. ऐसी योजनाओं को इसलिए बंद नहीं किया जा सकता कि राज्य सरकार कर्ज में है. प्राथमिक शिक्षा पर भी बहुत खर्च होता है. न्यायपालिका पर भी राज्यों का खर्च है. कहीं–न–कहीं ये खर्च एक कल्याणकारी राज्य होने की अवधारणा के तहत जरूरी है. हमारे देश में खर्च की कई श्रेणियां हैं. ऐसे में, जाहिर है कि गरीब और कम आय वर्ग को कुछ राहत देने वाली योजनाओं पर ही सवाल नहीं उठाया जा सकता है. आज हमारे देश में उद्योग जगत को अनेक अनुदान और छूट देने की व्यवस्था है. भारत में स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक में बहुत कम शुल्क लिया जाता है. इस शिक्षा का वास्तविक खर्च 30 से 40 गुना अधिक है. इसमें कोई भेदभाव भी नहीं है, यह सुविधा हर उस छात्र को मिलती है, जिसका नामांकन होता है. शिक्षा के प्रति सरकार के संवैधानिक उत्तरदायित्व की दृष्टि से यह जरूरी है. यहां इस आधार पर भेदभाव भी नहीं किया जा सकता कि उन छात्रों को निशुल्क या मामूली शुल्क की सुविधा नहीं दी जाए, जिनके अभिभावक अधिक शुल्क देने की क्षमता रखते हैं.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब घरेलू रसोई गैस की सब्सिडी को लेकर अभियान चलाया था, तो उन्होंने एक रणनीति बनायी. उन्होंने सार्वजनिक रूप से देशवासियों से अनुरोध किया था कि जो लोग अनुदान छोड़ सकते हैं, वे छोड़ दें और उस बचत से हम गरीबों को रसोई गैस की सुविधा देंगे. ऐसे अनुदानों को लाभ मध्य वर्ग लंबे समय से उठा रहा था और आज भी एक वर्ग इसका लाभ उठा रहा है, पर बड़ी संख्या में सक्षम लोगों ने प्रधानमंत्री की अपील पर इस अनुदान का लाभ नहीं लेने की घोषणा की. कुल मिला कर, यह पूरा मसला जटिल है. यह ठीक है कि कुछ राज्यों ने बिना अधिक सोचे–विचारे महत्वाकांक्षी सामाजिक योजनाएं, जैसे एक–दो रुपये में अनाज देना आदि, चलायीं, पर राज्यों की अर्थव्यवस्था की बदहाली के लिए दूसरे कारण अधिक जिम्मेदार हैं. उदाहरण के लिए दो राज्यों– केरल और पश्चिम बंगाल को देखें, जो सबसे अधिक दबाव वाले राज्यों में शामिल हैं. राज्य में आप आमदनी होने पर ही खर्च कर सकेंगे. इन राज्यों में औद्योगिकीकरण खस्ताहाल है. ऐसे में गरीबी बहुत अधिक है, तो आपको सुविधाएं देनी पड़ेंगी. साथ ही, आपके पास राजस्व नहीं आयेगा. पश्चिम बंगाल देश में सबसे अधिक कामगार मुहैया करा रहा है. चाहे वहां के शिक्षित और अति कुशल लोग, जैसे– डॉक्टर, इंजीनियर आदि हों या फिर अकुशल व अशिक्षित लोग हैं, अन्य राज्यों में कार्यरत हैं.

कोरोना महामारी के दौर में केरल में जो दूसरे देशों से आमदनी आती थी, वह बहुत हद तक कम हो गयी. इससे उपभोक्ता अर्थव्यवस्था चरमरा गयी और कराधान भी घट गया.

दादरा एवं नगर हवेली मुक्ति दिवस – 2 अगस्त

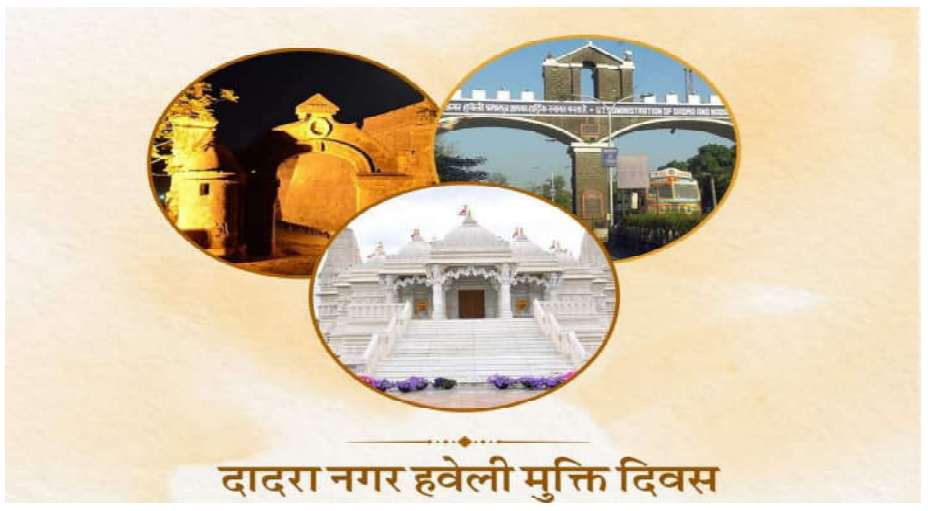

भारत के केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली के इतिहास में 11 अगस्त का दिन बेहद खास है. साल 1961 में इसी दिन यह भारतीय गणराज्य का हिस्सा बना और इसे केंद्र शासित प्रदेश के रूप में शामिल कर लिया गया. वैसे दादरा और नगर हवेली क्षेत्र लंबे संघर्ष के बाद 2 अगस्त 1954 को ही पुर्तगाली शासकों के शासन से आजाद हो गए और फिर 1961 तक यहां की जनता ने अपना शासन चलाया. 1954 से लेकर 1961 तक इस क्षेत्र पर सिटिजन काउंसिल जिसे वरिष्ठ पंचायत कहा जाता था, ने फ्री दादरा नगर हवेली में शासन किया और फिर 7 साल बाद 1961 में यह भारतीय गणराज्य का हिस्सा बन गया. भारत में इसके विलय का इतिहास काफी रोचक है, कैसे लंबे संघर्ष के बाद यहां के लोगों को आजादी मिली । साल 2019 दिसंबर में केंद्र सरकार ने दादरा और नगर हवेली तथा दमन एवं दीव (मर्जर ऑफ यूनियन टेरिरिज) बिल 2019 के जरिए दादरा और नगर हवेली तथा दमन एवं दीव को मिलाकर एक केंद्र शासित प्रदेश कर दिया. पहले ये दोनों अलग–अलग केंद्र शासित प्रदेश के रूप में स्थापित थे. दादरा और नगर हवेली तथा दमन एवं दीव दोनों ही केंद्र शासित प्रदेश लंबे समय तक पुर्तगालियों के अधीन थे. दमन और दीव 1961 से 1987 तक गोवा, दमन और दीव संयुक्त रूप से केंद्र शासित प्रदेश था. लेकिन 1987 में, जब गोवा को राज्य का दर्जा मिला तो दमन और दीव एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बन गया । इसी तरह दादरा और नगर हवेली पर जून, 1783 से ही पुर्तगालियों का कब्जा था. दादरा नगर हवेली 491 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है जिसके उत्तर की तरफ गुजरात और दक्षिण की तरफ महाराष्ट्र है. दादरा नगर हवेली में 72 गांव हैं और यहां की राजधानी सिलवासा है. इस क्षेत्र का करीब 40 फीसदी इलाका जंगलों और पहाड़ों से घिरा हुआ है. 2001 की जनगणना के अनुसार यहां की आबादी 2.20 लाख है और इसमें 62.24 फ़ीसदी हिस्सा आदिवासियों का है. गुजरात के सह्याद्री पर्वत से निकल कर अरब सागर की तरफ बहने वाली दमनगंगा नदी क्षेत्र में सिंचाई का मुख्य स्रोत है । दादरा और नगर हवेली का इतिहास राजपूत राजाओं द्वारा क्षेत्र के कोली सरदारों की हार के साथ शुरू होता है. सन 1262 में राजस्थान के रामसिंह नामक एक राजपूत राजकुमार ने स्वयं को रामनगर के शासक के रूप में स्थापित किया, जो वर्तमान में धरमपुर है जिसमें 8 परगना (गांवों का एक समूह) शामिल किया और महाराणा की उपाधि धारण की. नगर हवेली इन्हीं परगनाओं में से एक था, और इसकी राजधानी सिलवासा थी । 1360 में राणा धर्मशाह प्रथम ने अपनी राजधानी को नगर हवेली से नगर फतेहपुर स्थानांतरित कर दिया. लेकिन इस बीच क्षेत्र में मराठा शक्ति के उदय के साथ, मराठा शासक शिवाजी ने रामनगर को एक महत्वपूर्ण इलाके के रूप में देखा और उन्होंने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, लेकिन सोमशाह राणा ने 1690 में इस पर फिर से कब्जा कर लिया । 6 मई 1739 को वसाई संधि के बाद वसाई और आसपास के प्रदेश मराठा शासन के अधीन आ गए. इसके तुरंत बाद, मराठों ने रामनगर पर कब्जा कर लिया लेकिन शासक रामदेव को कुछ शर्तों के साथ छोड़ दिया. मराठों ने नागर हवेली और दो अन्य परगनाओं से राजस्व एकत्र करने के अधिकार प्राप्त कर लिए, जिसे चौथाई के नाम से जाना जाता है. रामदेव के पुत्र धरमदेव के समय मराठाओं के साथ हुए करार का उल्लंघन शुरू कर दिया गया और जिससे नाराज मराठों ने नागर हवेली और आसपास के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया । सन 1772 में मराठा सेनाओं द्वारा पुर्तगालियों को नुकसान पहुंचाने के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में 17 दिसंबर 1779 को मित्रता संधि के आधार पर नागर हवेली का क्षेत्र पुर्तगालियों को गिफ्ट कर दिया गया. इस संधि के तहत पुर्तगालियों को नगर हवेली के 72 गांवों से राजस्व इकट्ठा करने की अनुमति मिल गई. फिर, 1785 में पुर्तगालियों ने दादरा को खरीद लिया, और इसे पुर्तगाली भारत के साम्राज्य में शामिल कर लिया गया । सन 1818 में, तीसरे एंग्लो–मराठा युद्ध में ब्रिटिश सेना ने मराठाओं को हरा दिया था, और इसके बाद पुर्तगाली दादरा और नगर हवेली के प्रभावी शासक बन गए । पुर्तगालियों ने 1954 तक यहां पर शासन किया लेकिन इसी साल दादरा और नगर हवेली पर भारतीय संघ के समर्थकों ने कब्जा कर लिया । अगस्त 1947 में भारत को आजादी मिल गई, लेकिन दादरा और नगर हवेली समेत कुछ क्षेत्रों पर पुर्तगालियों का शासन था.

दादरा और नगर हवेली के लोगों ने यूनाइटेड फ्रंट ऑफ गोवांस, नेशनल मूवमेंट लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन और आजाद गोमांतक दल जैसे संगठनों के स्वयंसेवकों की मदद से पुर्तगाली शासन से निजात पाई और 1954 में यह क्षेत्र भारत में शामिल हो गया ।

शहद के स्टार्टअप से प्रधानमंत्री के दिल में उतरे गोरखपुर के निमित, आज दो करोड़ सालाना का है टर्नओवर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब गोरखपुर के निमित सिंह का अपने श्मन की बातश कार्यक्रम में जिक्र किया तो पूरे गोरखपुर का सिर गर्व से ऊंचा हो गया. प्रधानमंत्री ने सिर्फ निमित का नाम ही नहीं लिया बल्कि उन्हें दूसरे युवाओं के लिए एक नजीर भी बताया. आइए जानतें हैं कि कौन हैं निमित और उन्होंने ऐसा क्या है जो पीएम मोदी ने उनकी जमकर तारीफ की.

दरअसल, गोरखपुर के रहने वाले 30 वर्षीय निमित प्रतिवर्ष 25 से 30 टन शहद का उत्पादन करते हैं. इतना ही नहीं उन्होंने बीते 4 वर्षों में श्मधुमक्खी वालाश नाम की एक कंपनी भी तैयार कर ली है. उनकी कंपनी में 37 व्यक्ति काम करते हैं. इनके अलावा 700 किसान भी इनकी कंपनी से जुड़े हुए हैं. मधुमक्खी पालन और खुद के ब्रांड के शहद उत्पादन के आइडिया ने आज निमित को पूरे देश में फेमस कर दिया है.. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से अनुदानित लोन लेकर अपने स्टार्टअप को नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाले निमित की चर्चा रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में की है. प्रधानमंत्री ने उनके स्टार्टअप की काफी सराहना की और उन्हें युवाओं के सामने एक नजीर के रूप में पेश किया.

निमित सिंह गोरखपुर की दिव्य नगर कॉलोनी के रहने वाले हैं और वे मधुमक्खी वाला ब्रांड के नाम से शहद का कारोबार करते हैं. निमित ने अन्नामलाई विश्वविद्यालय से सन 2014 में मैकेनिक ट्रेड से बीटेक की पढ़ाई की है. शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने नौकरी करने की बजाय खुद का स्टार्टअप शुरू करने का निर्णय लिया. निमित के पिता डॉक्टर के एन सिंह ने उन्हें मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में स्टार्टअप लगाने की सलाह दी. जिसके बाद मधुमक्खी पालन की शिक्षा के लिए वे झारखंड समेत आधा दर्जन राज्यों में भ्रमण पर निकल गए. जहां उन्होंने मधुमक्खी पालन का तौर तरीका सिखा.

निमित ने 2016 में 50 बॉक्स से मधुमक्खी का पालन शुरू किया. इनसे तैयार शहद को उन्होंने खुद ही बाजार में उतारने का निर्णय लिया. फिलहाल, उनकी राजधानी में अपने खुद के ब्रांड की एक ब्रांच भी है. जहां से शहद की बिक्री होती है.

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से शुरू किया स्टार्टअप

निमित ने अपने ब्रांड की शहद की मांग को देखते हुए अपने उत्पाद को विस्तार देने के लिए सन 2018 के अंत में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत 10 लाख का कर्ज लिया और बाराबंकी की फतेहपुर ब्लॉक की रजौली गांव में एक फैक्ट्री डाली. जहां पर मशीन और अन्य उपकरणों द्वारा शहद की छनाई से लेकर पैकिंग तक के काम होते हैं. शहद से मोम और पराग भी निकाला जाता है. निमित बताते हैं कि वह शहद के कई तरह के उत्पाद तैयार करते हैं. कारोबार को और विस्तार देने के लिए प्रधानमंत्री माइक्रोफूड प्रोसेसिंग इंटरप्राइजेज स्क्रीन से 15 लाख रुपए का लोन और लिया है.

मार्केट में ला चुके हैं कई तरह के शहद

निमित सिंह सिर्फ मधुमक्खी का पालन ही नहीं करते हैं, बल्कि उससे निकले शहद पर निरंतर शोध भी करते हैं. अपने रिसर्च से वह अलग अलग फूलों, फलों वाले आठ प्रकार के स्वाद और मेडिसिनल गुणों वाले शहद को बाजार में उतार चुके हैं. निमित सिंह अपने शोध का हवाला देकर बताते हैं कि जहां सरसों, लीची, जामुन, यूकेलिप्टस, नीम, बबूल, तिल, तुलसी आदि की फसलें हैं, वहां पर वैसे ही सुंगध, स्वाद, रंग और औषधीय गुण वाला शहद तैयार हो रहा है. उन्होंने जिस फल या फूल के तत्व से शहद बनाया है, उसी के मुताबिक नाम देकर बाजार में उतारा है.

शहद के मोम से 115 परिवारों को रोजगार से जोड़ा

निमित ने सिर्फ शहद के कई फ्लेवर ही नहीं तैयार किए बल्कि इसके बचे मोम से मोमबत्ती, खिलौने, साबुन आदि भी तैयार किए हैं. बाराबंकी के चौनपुरवा गांव में उन्होंने पुलिस अधिकारी अरविंद चतुर्वेदी की पहल पर 115 ऐसे परिवारों को मोम के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण देकर आजीविका से जोड़ा है जो कभी शराब के कारोबार और नशे के लिए बदनाम थे.

दो करोड़ सालाना का है टर्नओवर

निमित के स्टार्टअप का एक छोटा प्रयास आज सलाना दो करोड़ रुपये के टर्नओवर का रूप ले चुका है. उनके शहद उत्पादन से लेकर मार्केटिंग तक के नेटवर्क में 700 लोग रोजगार पा रहे हैं. इतना ही नहीं, निमित ने उत्तर प्रदेश के अलग अलग जिलों के अलावा पंजाब, तामिलनाडु, बंगाल, उत्तराखंड और राजस्थान में बेरोजगार युवकों को प्रशिक्षण देकर उनको अपने ब्रांड के नाम से ही शहद बेचने के लिए प्रेरित किया है.

जानिए निमित का जिक्र कर क्या कहा पीएम मोदी ने

पीएम मोदी ने 31 जुलाई यानी रविवार को अपने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि, श्शहद उत्पादन में आज इतनी अधिक संभावनाएं हैं कि प्रोफेशनल पढ़ाई करने वाले युवा भी इसे अपना स्वरोजगार बना रहे हैं. ऐसे ही एक युवा हैं, यूपी में गोरखपुर के निमित सिंह. निमित ने बीटेक किया है. उनके पिता भी डॉक्टर हैं, लेकिन पढ़ाई के बाद नौकरी की जगह निमित ने स्वरोजगार का फैसला लिया. उन्होंने शहद उत्पादन का काम शुरू किया. क्वालिटी चेक के लिए लखनऊ में अपनी एक लैब भी बनवाई. निमित अब इससे अच्छी कमाई कर रहे हैं, और अलग–अलग राज्यों में जाकर किसानों को प्रशिक्षित भी कर रहे हैं।

दिल्ली सरकार ने बढ़ाई शराब दुकानों के लाइसेंस की मियाद, LG के पास भेजा कैबिनेट का फैसला

दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने राजधानी में शराब की किल्लत को देखते हुए शराब की मौजूदा दुकानों के लाइसेंस की अवधि को 31 अगस्त तक बढ़ाने का फैसला किया है. दिल्ली में शराब की 468 निजी दुकानें 31 जुलाई को लाइसेंस की समाप्ति के बाद सोमवार से बंद होने वाली थीं, लेकिन उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की मंजूरी के बाद ही आबकारी विभाग के आदेश से शराब की दुकानें खुलेंगी.

आबकारी विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने शराब की दुकानों के मौजूदा लाइसेंस की अवधि को एक महीने यानी 31 अगस्त तक बढ़ाने के कैबिनेट के फैसले को उपराज्यपाल के पास भेज दिया है. 31 जुलाई के बाद शराब की दुकानों को खोलने की अनुमति देने के आदेश उपराज्यपाल की मंजूरी के बाद जारी किए जाएंगे.

उपराज्यपाल को भेजा गया मंत्रिमंडल का फैसला

मामले से जुड़े आबकारी विभाग के अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि सरकार ने दिल्ली में मौजूदा शराब की दुकानों के लाइसेंसे को बढ़ाने का फैसला मंत्रिमंडल की बैठक में लिया है. इस बैठक में सरकार ने मौजूदा शराब की दुकानों के लाइसेंस को एक महीने के लिए 31 अगस्त तक बढ़ाने के लिए मंत्रिमंडल का फैसला उपराज्यपाल को भेज दिया है.

31 जुलाई के बाद शराब की दुकानों को खुले रहने की अनुमति देने के आदेश एलजी की मंजूरी के बाद जारी किए जाएंगे.

पुरानी आबकारी व्यवस्था होगी लागू

मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली सरकार ने पुरानी आबकारी व्यवस्था को वापस लाने और अपनी एजेंसियों के माध्यम से शराब की दुकान चलाने का फैसला किया है. सरकार की आबकारी नीति 2021–22 अधिक राजस्व प्राप्त करने के वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम नहीं थी. शराब के सरकारी स्टोर एक सितंबर से छह महीने की अवधि के लिए खुलेंगे और तब तक निजी दुकानें चलती रहेंगी.

दुनिया में अर्थव्यवस्था बदहाल, लेकिन देश में 80 करोड़ गरीबों को मिल रहा मुफ्त खाद्यान्न, निशिकांत दुबे

कोरोना महामारी के बाद दुनियाभर में अर्थव्यवस्था की खराब हालत का जिक्र करते हुए भाजपा ने दावा किया कि इस हालात में भी मोदी सरकार 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त खाद्यान्न दे रही है. भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मुफ्त योजनाओं (फ्रीबीज) को लेकर विपक्ष शासित राज्य सरकारों पर निशाना भी साधा और सरकारों पर बढ़ते कर्ज और मुद्रास्फीति बढ़ने के पीछे इसे एक वजह बताया.

निशिकांत दुबे ने कही ये बात

लोकसभा में नियम 193 के अधीन श्मूल्यवृद्धिश विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए निशिकांत दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में जिन हालात में देश की बागडोर संभाली थी और आज कोविड के बाद दुनिया की जो स्थिति है, उसके बाद भी गरीबों को श्दो वक्त की रोटीश्श मिल रही है, जिसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया जाना चाहिए. निशिकांत दुबे ने कहा कि कोविड के बाद अनेक देशों की हालत खराब है, सभी जगह रोजगार छिन रहे हैं और मुद्रास्फीति बढ़ रही है, उस स्थिति में भी यह देश बदल रहा है, खुश है और यहां गांव, गरीब, आदिवासी किसान को सम्मान मिल रहा है.

भाजपा ने किसानों को दी ताकत

उन्होंने दावा किया कि इस सरकार के आने से पहले सदन में किसानों की आत्महत्या के विषय पर कई बार बात होती थी, लेकिन पिछले आठ साल में किसानों की आत्महत्या का विषय सदन में एक भी बार नहीं उठा, क्योंकि इस सरकार ने किसानों को ताकत दी है और वे आत्महत्या करने को मजबूर नहीं हो रहे हैं. निशिकांत दुबे ने विपक्ष पर और खासतौर पर कांग्रेस पर, श्मोदीफोबियाश से ग्रसित होने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी दल की न कोई वैचारिक प्रतिबद्धता है और न जनता के प्रति उनकी कोई जिम्मेदारी. उन्होंने एक खबर के हवाले से दावा किया कि 2011 से लेकर 2014 तक भी बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 1,000 से अधिक थी.

कांग्रेस ने जनता को वोटबैंक के लिए बनाया मूर्ख

निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया, कांग्रेस ने केवल जनता को मूर्ख बनाने, वोटबैंक की राजनीति के लिए ऑइल (तेल) बांड जारी किये. जिसके एवज में 2020 के बाद से 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक भारत सरकार को लौटाना पड़ रहा है. उन्होंने दावा किया कि जिन्होंने तेल बांड लिया, सभी बड़े कॉर्पोरेट घराने हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता बताएं कि किन अमीरों को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसा किया गया?श्श निशिकांत ने कहा कि आज जब रूस–यूक्रेन युद्ध तथा अन्य कारणों से पूरी दुनिया में गेहूं का उत्पादन एक प्रतिशत कम हो गया है, धान का उत्पादन 0.5 प्रतिशत कम हो गया और चीनी का उत्पादन भी गिर गया है, तब भी भारत एक ऐसा देश है, जो इन सभी चीजों का निर्यात कर रहा है.

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा ।

आईपीएस विजय सिंह मीणा हटे, सीनियर आईपीएस बीपी जोगदंड को मिली कानपुर कमिश्नरेट की कमान

कानपुर । पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा को हटा दिया गया है। उनकी जगह अब सीनियर आईपीएस बीपी जोगदंड को कमान सौंपी गई है। उनका कार्यकाल महज 14 महीने बचा है। सूत्रों के अनुसार, कानपुर हिंसा के साथ ही दागी पुलिस अफसरों को चार्ज देना विजय सिंह मीणा को भारी पड़ गया। लगातार शिकायतें मिलने के बाद उनके खिलाफ पुलिस मुख्यालय से कार्रवाई की गई है। आईपीएस विजय सिंह मीणा को दूसरी जगह पोस्टिंग भी नहीं दी गई, उनका नाम वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया है। कानपुर हिंसा के आरोपियों को पकड़ने और छोड़ने के खेल की जानकारी शासन स्तर तक पहुंच गई थी। इतना ही नहीं दागी दरोगा अजय मिश्रा का गैर जनपद ट्रांसफर होने के बाद भी अपना पीआरओ बनाए रखना। जानकारी अनुसार, अजय मिश्रा ही कानपुर कमिश्नरेट में ट्रांसफर पोस्टिंग से लेकर वसूली का पूरा सिंडीकेट चला रहा था। मामले की जानकारी पुलिस मुख्यालय डीजीपी तक पहुंच गई थी। एक के बाद एक शिकायत पहुंचने पर पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा को हटाया गया है। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट की जिम्मेदारी सीनियर आईपीएस अफसर बीपी जोगदंड को दी गई है। बीपी जोगदंड 1991 बैच के आईपीएस अफसर है।

उनके पिता का नाम जोगदंड पीवी है। 28 अक्टूबर 1963 को जन्मे भागीरथ पी. जोगदंड मूल रूप से महाराष्ट्र के लातूर के रहने वाले हैं। फिलहाल वो अपर पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय उप्र. लखनऊ में तैनात थे। 14 महीने बाद उनका रिटायरमेंट होना है। बीपी जोगदंड ने

इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के साथ ही पीजीडीएम ऑपरेशन और एमबीए की पढ़ाई की है।इससे पहले भी वह कानपुर में 23 अक्तूबर 2009 से 13 फरवरी 2010 तक कानपुर में एसएसपी रह चुके हैं। पड़ोसी जिला कानपुर देहात के भी एसपी रह चुके हैं। इससे उन्हें कानपुर के मिजाज का अच्छा अनुभव है।

डीएम के आदेश पर मिड डे मील में घटिया खाना परोसने पर एफआईआर

कानपुर । प्राथमिक स्कूलों में मिड डे मील यानि एमडीएम में खाने की गुणवत्ता खराब मिलने के बाद कार्यदायी संस्था के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई है। 26 जुलाई को डीएम विशाख जी के निर्देश पर जिले के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में एमडीएम की जांच की गई थी, जिसमें खाने की क्वालिटी काफी खराब मिली थी। डीएम ने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय टटिया भगवंत, कम्पोजिट में एमडीएम में गुणवत्ता में कमी पाई गई थी। यहां पर खाना सप्लाई करने वाली छत्तीसगढ़ सामाजिक सेवा संस्थान जिसका स्थानीय किचन 132 डी, ओम पुरवा कानपुर में है। इस संस्था के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई है। डीएम के सख्त निर्देशों के बाद फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट भी सक्रिय

हो गया है। सहायक खाद्य आयुक्त–2 विजय प्रताप सिंह ने बताया कि सोमवार को डिपार्टमेंट की 7 टीमों ने मिड डे मील सप्लाई करने वाली 7 संस्थाओं के कानपुर स्थित केंद्रीय किचन में छापेमारी की। कुल 20 सैंपल भरे गए हैं। रोटी, लाल मिर्च पाउडर, काबूली चना, तैयार सब्जी, मस्टर्ड ऑयल, सोया बड़ी, तैयार चावल, मूंग की दाल, अरहर दाल, रिफाइंड और धनिया का सैंपल भरा। सभी को जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

पीस कमेटी की बैठक संपन्न, भाईचारे और सौहार्द से त्योहार मनाने की अपील

भड़काऊ पोस्ट डालने वालों पर पुलिस रखेगी नजर

कानपुर । जनपद के घाटमपुर कस्बा चौकी में सोमवार दोपहर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सीओ और नायब तहसीलदार ने दोनों धर्म के लोगों से शांति और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। उन्होंने दोनों धर्म के लोगों से कहा कि सोशल मीडिया पर ध्यान न दें। यदि सोशल मीडिया पर कोई विवादित पोस्ट करे तो पुलिस को सूचना करें और आपस में मतभेद न करें। बैठक में दोनों समुदाय के लोग मौजूद रहे। सोमवार दोपहर घाटमपुर कस्बा चौकी में पीस कमेटी की बैठक में दोनों धर्म के लोग मौजूद रहे। लोगों को संबोधित करते हुए घाटमपुर सीओ तेज बहादुर सिंह ने कहा कि दोनों धर्म के लोग एकसाथ मिलकर सौहार्द के साथ त्योहार मनाएं। कहा कि सोशल मीडिया पर विवाद पैदा करने वाली बातें न लिखें, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। प्रशासन की सभी पर पैनी नजर है। अगर सोशल मीडिया पर कोई गलत बात लिखकर पोस्ट करे तो स्वयं निर्णय न लें पुलिस को सूचना दें। माहौल खराब करने वालों से कड़ाई से निपटा जाएगा।बैठक में नायब तहसीलदार अतुल हर्ष, घाटमपुर सीओ तेज बहादुर सिंह, थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, चौकी इंचार्ज पतारा विनीत मिश्रा, रेउना चौकी इंचार्ज शुभम सिंह, मनोज सिंह परमार, मो सरताज, रामचंद्र गुप्ता, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। ताजिया का जुलूस निकलने में घाटमपुर थाना क्षेत्र में कुल चार जगह पर समस्या है। पहली समस्या जहांगीराबाद गांव में है, जहां पर चंदू मिश्रा के खेत में ताजिया निकाला जाता है। चंदू मिश्रा ने शिकायत की है कि उनके खेत के बगल से चकरोड निकला है उससे ताजिया निकाला जाए। दूसरी समस्या घाटमपुर तहसील परिसर में स्थित इमामबाड़ा में घाटमपुर नगर के कजियाना मोहल्ला से पलंग जुलूस निकलता है। जो वकीलों वाली गली के रास्ते तहसील परिसर पहुंचता है। गेट छोटा होने के चलते दिक्कत आती है इसलिए गेट बड़ा करवाने की मांग की है। तीसरी समस्या नगर किनारे स्थित बांबा के दूसरी

ओर करबला है। बंबा के ऊपर पुल बनाए जाने की मांग की गई। चौथी समस्या नगर स्थित लवलेश संखवार एडवोकेट के घर के पास एक कई वर्ष पुराना पीपल का पेड़ लगा है, जिसकी डाल रोड के ऊपर से है। इसे कटवाने पर हिंदू समाज के लोग विरोध करते है। उसकी डाल कटवाने की मांग की गई है।

तकनीकी दिक्कत से रुकी नगर निगम की लिफ्ट, 10 मिनट तक फंसे रहे लोग

कानपुर । नगर निगम की लिफ्ट में श्रीनगर से आया परिवार फंस गया। 10 मिनट तक परिवार के लोग चिल्लाते रहे। जिसके बाद नगर निगम के कर्मचारी दौड़ते हुए आए। दरवाजा खोलकर परिवार के सदस्यों को बाहर निकाला गया। सोमवार की दोपहर करीब 1 बजे नगर निगम परिसर में श्रीनगर से आया एक परिवार पहुंचा।

उन्हें निगम की तीसरी मंजिल पर जाना था। वो लोग लिफ्ट में पहुंचे। लिफ्ट शुरू होने के चंद सेकंड बाद ठहर गई। पहले उन्हें कुछ समझ नहीं आया। 5 मिनट बाद उन्हें एहसास हुआ कि कोई मूवमेंट नहीं हो रहा है। ये तकनीकी दिक्कत हो सकती है। इसके बाद उन्होंने चिल्लाना शुरू किया। नगर निगम ने कर्मचारियों की आवाज सुनी। दौड़कर आए और

दरवाजे को खुलवाया। 10 मिनट बाद उन्हें बाहर निकाल लिया गया। नगर निगम केयरटेकर सुनील निगम ने बताया, दोपहर में लिफ्ट अचानक बंद हो गई। इसमें श्रीनगर की किरण श्रीवास्तव व उनका बेटा निवेश श्रीवास्तव और एक और युवती फंस गई थी। कर्मचारी अर्पित व गोरखनाथ सोनकर मौके पर पहुंचे और लिफ्ट को खुलवाया था। कानपुर नगर निगम में 3 लिफ्ट लगी हैं। इसमें एक लिफ्ट सिर्फ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत लगाई गई थी। जोकि सिर्फ अधिकारी और कर्मचारी चलते हैं। एक लिफ्ट चलती है। ये लिफ्ट पुरानी है। ज्यादा उपयोग होने से आए दिन खराब होती रहती है।

मोबाइल का चार्जर लगाते समय करंट की चपेट में आया युवक, हालत गंभीर

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में एक युवक मोबाइल का चार्ज लगा रहा था तभी अचानक करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है बताते चलें कि बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के तेदुली गाँव निवासी संतोष कुमार उम्र 17 वर्ष पुत्र रामराज जो कि अपने घर के अंदर मोबाइल फोन का चार्जर बोर्ड पर लगा रहा था तभी अचानक करंट की चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया परिजनों ने देख

आनन–फानन निजी वाहन से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर संतोष का इलाज किया जा रहा है चिकित्सकों ने बताया कि यदि हालत में सुधार नहीं होता है तो जिला अस्पताल के लिए रेफर किया जाएगा ।

दो ट्रकों में आमने-सामने भिड़ंत, चालक गंभीर

फतेहपुर । जनपद के जोनिहा कस्बे में दो ट्रकों में आमने–सामने भिड़ंत हो गई जिसमें एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे 108 एंबुलेंस की मदद से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है

बताते चलें कि फतेहपुर जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के जोनिहा चौकी क्षेत्र के समीप दो ट्रकों में आमने–सामने भिड़ंत हो गई जिसमें एक ट्रक चालक मान सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी महाराजपुर कानपुर नगर गंभीर रूप से घायल हो गया । स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला और 108 एंबुलेंस की मदद से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है ।

'आजादी के आंदोलन के महान सूरमा उधमसिंह थे– डा. भवानीदीन'

'हमीरपुर'–सुमेरपुर ,वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अंतर्गत जरा याद करो कुर्बानी के तहत आजादी के आंदोलन का नाहर ऊधम सिंह की पुण्यतिथि 31 जुलाई पर संस्था के अध्यक्ष डा.भवानीदीन ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ऊधमसिंह आजादी के आंदोलन के महान सूरमा थे ,ऊधम सिंह का जन्म 26 दिसंबर 1899 को पंजाब के संगरूर जिले के सुनाम गांव में एक जाटव परिवार में हुआ था ,ऊधम सिंह के पिता का 1901 में और माता का 1907 में निधन हो गया था ,ऊधमसिंह और उनके बड़े भाई ने एक अनाथालय में शरण ली थी ,ऊधम सिंह के बचपन का नाम शेर सिंह और भाई का नाम मुक्ता सिंह था, अनाथालय में ही इनका ऊधम सिंह नाम और भाई का नाम साधू सिंह रखा गया, ऊधमसिंह सर्वधर्म समभाव के प्रतीक थे ,इन्होंने अपना नाम बदलकर राम मोहम्मद सिंह रख लिया था, 1917 में ऊधमसिंह के भाई का भी निधन हो गया, इस तरह से ऊधमसिंह पूरी तरह अनाथ हो गए ,1919 में इन्होंने अनाथालय छोड़ दिया, ऊधमसिंह प्रारंभ से ही राष्ट्रसेवी थे, 13 अप्रैल 1919 को जलिया वाला नरसंहार हुआ था, इन्होंने स्वयं देखा था, वहां की मिट्टी को हाथ मे लेकर इन्होंने प्रतिज्ञा की थी कि जब तक माइकल ओ डायर को मार नहीं देंगे तब तक चौन से नहीं बैठेंगे ,उधम सिंह 1934 में लंदन पहुंचे और वहां पर एक कार खरीदी, एक रिवाल्वर खरीदा और माइकल ओ डायर को मारने के लिए समय के प्रतीक्षा करते रहे, ऊधम सिंह ने एक किताब काट कर रिवाल्वर को उसी में छुपा लिया था

अज्ञात चोरों ने नगदी समेत लाखों के जेवरात किए चोरी, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में एक बंद घर में दिन दहाड़े अज्ञात चोरों ने नगदी समेत लाखों रुपए की संपत्ति पार कर दी यह घटना क्रम सीसीटीवी कैमरे पर कैद हो गया है जिसकी जांच की जा रही है बताते चलें कि जनपद के बिंदकी कस्बे के मुगलाही मोहल्ले में व्यापारी नीलू के घर में अज्ञात चोरों ने दिनदहाड़े घुसकर तीन लाख नगद व लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर ले गए जब शाम को नीलू घर पहुंचा तो देखा कि उसके घर के दरवाजे खुले हुए पड़े हैं और नगदी समेत जेवरात पार हो गए तो नीलू ने इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर शिकायत पत्र देने को कहा नीलू

ने कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है थानाध्यक्ष ने बताया कि कस्बे के मुगलाही मोहल्ले में एक घर पर अज्ञात चोरों ने नगदी समेत लाखों रुपए के जेवरात पार कर दिए हैं तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है चोरों की तलाश की जा रही है ।

लाखों भक्तों ने गंगा नदी में लगाई आस्था की डुबकी, गंगाजल से शिवलिंग का किया अभिषेक

उदय समाचार । प्रदीप कुशवाहा

फतेहपुर । जनपद में सावन के तीसरे सोमवार पर जिले के शिव मंदिरों में भक्तों ने पूजा अर्चना की। इसके साथ गंगा नदी में लाखों भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई। भक्तों की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किया है। शिव भक्तों को गंगा नदी से जल लाने की जरूरत न हो इसके लिए सामाजिक संगठनों ने टैंकर में गंगा जल की व्यवस्था मंदिर के बाहर की है। जिले में शहर से लेकर ग्रामीणों क्षेत्र में शिव मंदिरों में सुबह से भक्तों की भीड़ देखी गई। शहर के शक्ति पीठ ताम्बेश्वर मंदिर,बिंदकी के कैलाश मंदिर,थावाईशूर सहित प्रमुख शिव मंदिरों में सुबह से भक्तों ने पहुचकर भोलेनाथ के पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। भक्तों की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने तीनों तहसील के एसडीएम व सीओ सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी दी है। ताम्बेश्वर मंदिर में दर्शन करने के लिए सुबह से ही भक्तों की कतारें नजर आईं।

डीएम बोलीं- व्यवस्थाओं का रखा जा रहा ख्याल

गंगा नदी में लाखों भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई और दान पुण्य किया। भिटौरा स्थित ओम घाट, आसनी, नौबस्ता, आदमपुर, बलखण्डी घाट पुलिस के साथ पीएसी व जल पुलिस की भी तैनात है । जिला अधिकारी श्रुति ने बताया कि सावन माह के तीसरे पर जिले के सभी शिव मंदिरों में भक्तों को दर्शन करने में कोई दिक्कत न हो इसके लिए चाक–चौबंद व्यवस्था की गई है। व्यवस्थाओं का पूरा ख्याल रखा जा रहा है ।

गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर पीएसी पुलिस के जवान तैनात है। तीनों तहसील के एसडीएम अपने क्षेत्र के मंदिर व गंगा घाट पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे।

'जिले में सावन के तीसरे सोमवार को शिव भक्तों ने मंदिर में जाकर की पूजा अर्चना'

'हमीरपुर'– जिले सहित कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में शिव मंदिरों में सावन के तीसरे सोमवार को शिव भक्तों ने मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की। तथा बेलपत्र , धतूरा, आदि अर्पण किया। मुख्यालय के सिंह महेश्वरी मंदिर, पातालेश्वर मंदिर, मां गौरा देवी मंदिर, मां चौरा देवी मंदिर, सुनराही गली हाथी दरवाजा मोहाल के काली जी मंदिर सहित तमाम जिले के मंदिरों व कुरारा क्षेत्र के बेरी गांव में प्राचीन कोटेस्वर शिव मंदिर बेतवा नदी के किनारे स्थित मंदिरों में भक्तो की सुबह से ही लाइन लगी रही। वही शंकरपुर गांव में प्राचीन शिव मंदिर में भक्तों ने पूजा अर्चना की। कस्बे के मंडी समिति के अंदर बने शिव मंदिर में भक्तो का सुबह से लेकर शाम तक आवागमन लगा रहा । तथा महिलाओ की उपस्थित अधिक रही। वही जिले के गांवो में सोमवार का ब्रत रख कर शिव मंदिर में जलाभिषेक कर भक्तो ने पूजा अर्चना की। सुबह से लेकर शाम तक सावन के सोमवार को भक्तिमय माहौल बना रहा।

महाव नाले पर बना तटबंध टूटा, आस-पास के गांवों में घुसा पानी, सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न

महराजगंज । नेपाल से निकलने वाले महाव नाले पर आज तटबंध टूट जाने से चार गांव में पानी घुस गया। बता दें कि नेपाल के पहाड़ों पर हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। यहां से होकर निकलने वाली नदियों ने भारतीय क्षेत्र में तबाही शुरू कर दी है। नेपाल के पहाड़ों में हुई मूसलाधार बारिश से जिले के महाव नाले पर बना तटबंध आज देवघट्टी गांव के सामने पूर्वी छोर पर करीब बीस मीटर तक टूट गया। जिसके बाद सैकड़ों एकड़ खेत जलमग्न हो गए। तटबंध टूटने के कारण एकाएक हंगामा मच गया। सिंचाई विभाग व जिला प्रशासन इस बांध की मरम्मत के लिए प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये खर्च करता है, लेकिन हर साल महाव नाला टूट जाता है। इस साल भी करोड़ों रुपये शिल्ट सफाई के नाम पर खर्च किया गया है। इसके बावजूद भी ये तटबंध एक बार फिर टूट गया है। बताया जा रहा है कि नेपाल में कल से हो रही लगातार बारिश से नेपाल से निकलने वाली महाव नाले का तटबंध एक बार फिर टूट गया है। हर साल इस आपदा की वजह से यहां के किसान खेती नहीं कर पाते हैं। कभी–कभी तो तटबंध के टूटने के बाद से बाढ का पानी आस पास के गांवों के अन्दर तक घुस जाता है। जिसके बाद लोग घर छोडकर सुरक्षित स्थान पर अपना डेरा जमाना शुरू कर देते हैं। आज शाम एक बार फिर लगभग 20 मीटर

महाव टूट गया। जिससे चार गांव पूरी तरह से प्रभावित हो गए हैं। तटबंध टूटने से एकाएक हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि महाव नाले पर तटबंध टूटने की जानकारी के बाद प्रशासनिक टीम के साथ सिंचाई विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि टूटे हुए तटबंध को जल्द मरम्मत करा दी जाएगी।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने विद्यालय में मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

उन्नाव । राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सिकन्दरपुर सरोसी ने जिला संगठन मंत्री कपिल त्रिवेदी के नेतृत्व में सिकन्दरपुर सरोसी ब्लॉक के सभी विद्यालयों में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया एवं भारत माता का पूजन करने के बाद प्रभात फेरी निकाली गयी मुख्य कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय थाना प्रथम में प्रधानाध्यापक श्रीमती सुनीता लता के नेतृत्व में हुआ जिसमें मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी सरोसी देवेंद्र कुमार रहे कार्यक्रम में अमित मिश्रा राजेन्द्र कुमार अवनीश, रमाकांत, शिवशंकर, शशीकान्त दुबे, अजय बाजपेयी नीलम रावत प्रज्ञा, सुरेश कनौजिया, प्राजंल अजय पाटिल, जागेलाल समेत, भारी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाओं, एवं अभिभावकों ने प्रतिभाग किया ।

सावन के तीसरे सोमवार को पंचमुखी शिव मंदिर पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

महराजगंज । मिनी बाबा धाम के नाम से विख्यात इटहिया शिव मंदिर पर हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। सावन का तीसरा सोमवार होने के चलते को पंचमुखी शिव मंदिर पररात 2 बजे से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर पर मैजूद सीओ सुनील दत्त दुबे ने जहां एक तरफ विकलांग कांवड़िए से जलाभिषेक कराया, वहीं दूसरी तरफ घायल हुए भक्तों की सेवा करते भी नजर आए। मंदिर परिसर में मेले का भी आयोजन भी किया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारी संख्या में पुरुष व महिला पुलिस को लगाया गया है। इसके अतिरिक्त मेले में पीएसी, एंटी रोमियो, गुंडा दमन दल व यातायात कर्मी लगाए गए हैं। मौसम अच्छा होने के कारण दर्शनार्थियों की भारी भीड़ लगातार उमड़ रही है। कांवरियों की चिकित्सा एवं भोजन पानी की उचित व्यवस्था की गई है। पुलिस कैंप में स्वयं क्षेत्राधिकारी द्वारा घायल कांवरिया की पट्टी बांधकर उसका उपचार किया, विकलांग कांवड़ियों को कंधे पर लेकर उनको भीड़ से बचाते हुए दर्शन कराया गया। वहीं, पुलिस क्षेत्राधिकारी निचलौल अपनी टीम के साथ सभी कांवरियों का फूल माला वर्षा कर स्वागत किया। मेले में अभी भी भीड़ निरंतर पहुंच रही और मंदिर के बाहर तक लंबी लाइनें लगी हुई है। इस वर्ष के मेले की अभूतपूर्व

व्यवस्था रही कि कोई भी वाहन चोरी अथवा चेन स्नेचिंग की घटना घटित नहीं हुई है।सभी दर्शनार्थियों कांवरियों व श्रद्धालुओं को सुगम व सुरक्षित दर्शन कराया जा रहा है।

ट्रक मिस्त्री के घर से पांच लाख की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

फर्रुखाबाद । जिले में चोरी की घटना सामने आई है। जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। कंपिल थाना क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर निवासी सत्तार ट्रक मिस्त्री है। उनकी कायमगंज में ट्रांसपोर्ट चौराहा पर दुकान है। सत्तार रविवार रात घर के बाहर सो रहे थे। पत्नी बच्चों के साथ आंगन में लेटी थी। मौका देख चोरों ने घर के कमरे में नकब लगा दिया। संदूक की चाबी अलमारी में मिल गई और चोरों ने घटना को अंजाम दिया। सुबह पड़ोस की महिलाएं खेतों की ओर गईं तो चोरी का पता लगा। सत्तार ने बताया कि चोर बेटी की शादी के लिए रखे 1.30 लाख की नकदी, हार, टीका, झुमकी, पांच जोड़ी पायल आदि ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और फील्ड यूनिट की टीम ने साक्ष्य जुटाए।

सीएचसी में सीएमओ ने विश्व स्तनपान सप्ताह पर महिलाओं को किया जागरुक

हमीरपुर । राठ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीएमओ ने विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ किया। गर्भवती और अस्पताल में भर्ती महिलाओं को बच्चों को स्तनपान से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ हमीरपुर के मुख्य चिकित्साधिकारी ने किया। शिशु को जन्म के एक घंटे के अंदर स्तनपान कराने के लिए जागरूक किया गया। हमीरपुर जनपद में राठ कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज विश्व स्तनपान सप्ताह का शुभारंभ किया गया। विश्व स्तनपान सप्ताह दिवस का शुभारंभ हमीरपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक रावत ने किया। इस दौरान गर्भवती और अस्पताल में भर्ती महिलाओं को

बच्चों में स्तनपान के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान सीएचसी के अधीक्षक डॉक्टर अजय चौरसिया ने कहा कि शिशु के जन्म लेने के 1 घंटे के अंदर ही नवजात शिशु को मां का स्तनपान अवश्य कराएं। शिशु का करीब छह माह तक मां का दूध जरूर पिलाना चाहिए और इस अवधि में शिशु को मां के दूध के अलावा अन्य दूसरा आहार नहीं देना चाहिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक रावत ने अस्पताल में भर्ती माताओं को शिशुओं के आहार के प्रति जागरूक किया और उन्हें कई प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि बहुत अधिक विषम परिस्थितियों में ही बाहर का दूध पिलाना चाहिए। जहां तक संभव हो सके तो नवजात शिशु को तत्काल मां का दूध पिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर 6 माह तक नवजात शिशु को मां का दूध पिलाने और शिशु का संपूर्ण टीकाकरण समय से कराने पर भी बल दिया। इस दौरान स्टाफ नर्स सुनीता के अलावा वार्ड आया जास्मिन, मीरा, रंजना, सन्तोष, राजेश, मोहित, बंदन और आशा कार्यकत्रियों के अलावा अस्पताल में भर्ती तमाम महिलाएं मौजूद रहीं।

ऑटो और बाइक की भिड़ंत में छह विद्यार्थी समेत आठ घायल

कन्नौज । जिले में गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड पर जलालाबाद जूनियर हाईस्कूल के पास ऑटो और बाइक की भिड़ंत हो गई। घटना में ऑटो सवार छह विद्यार्थी समेत आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसहायगंज ले जाया गया, जहां से ऑटो चालक और बाइक सवार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। विद्यार्थियों का प्राथमिक उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया। गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जुनैदपुर निवासी कमलेश का पुत्र जीतू (15) सेंट जेवियर्स स्कूल में कक्षा दस का छात्र है। उसकी बहन शिवानी (18) कक्षा 12 की छात्रा है। इसी गांव के उमेश का पुत्र अभिषेक (17) कक्षा 12 का विद्यार्थी सेंट जेवियर्स स्कूल में है। इसके अलावा गुरसहायगंज के मोहल्ला रामगंज निवासी राम प्रकाश का पुत्र सौरभ (18) भी इसी स्कूल में कक्षा 12 का छात्र है। रामगंज के ही अभिषेक और चंदा राठौर भी कक्षा 12 में पढ़ती हैं। उक्त सभी छात्र–छात्राएं स्कूल आने जाने के लिए एक ऑटो को लगाए हैं। सोमवार को स्कूल से छुट्टी होने के बाद उक्त सभी विद्यार्थी ऑटो से वापस अपने घर जा रहे थे। जीटी रोड पर जलालाबाद जूनियर हाईस्कूल के पास दूध लेने जलालाबाद जा रहे गोपी चंद (22) निवासी गांव द्वारगांव थाना गजनेर कानपुर देहात की बाइक और ऑटो की टक्कर हो गई।

ऑटो सवार सभी विद्यार्थी घायल हो गए। घटना में ऑटो चालक सुघर सिंह (26) निवासी जुनैदपुर कोतवाली गुरसहायगंज भी घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसहायगंज ले जाया गया। यहां से सुघर और गोपीचंद को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पर सेंट जेवियर्स स्कूल के प्रबंधक सुनील सिंह भी मौके पर पहुंच गए। सुनील सिंह का दावा है कि कई बार इन बच्चों के अभिभावकों से कहा गया कि आवागमन के लिए ऑटो या टेंपो का इस्तेमाल न करें। स्कूली बस से आवागमन करें।

आजादी के अमृत महोत्सव पर गूंजे भारत माता के जयकारे, रैली निकलकर किया जागरुक

औरैया । आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अंतर्गत ग्राम औतों ब्लॉक अछल्दा में बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकाली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमन चतुर्वेदी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामदुलारी के प्रधानाचार्य सरोज कुमार व प्रधानाध्यापक लोकेश शुक्ला ने हर घर तिरंगा जागरूकता रैली का आयोजन किया। जिसमें ग्राम प्रधान रजत मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली ने बच्चे नारे लगा रहे थे जब जब हवा का झोंका आता है हर घर तिरंगा लहराता है, घर घर तिरंगा हम लहराएंगे आजादी का अमृत महोत्सव शान से मनाएंगे भारत माता की जय। बच्चों के साथ समस्त अध्यापक स्टाफ ने भी रैली में प्रतिभाग किया। रैली में राधा और उमाकांति ने सभी बच्चों को नारे लगवाए। कार्यक्रम में आगनबाड़ी कार्यकत्री सुमन चतुर्वेदी ने बताया कि हम सभी को देश के सम्मान के लिए 11अगस्त से 15 अगस्त तक घर घर तिरंगा लगाना है और उसकी रक्षा और सम्मान करना है। सरोज कुमार ने बताया की सभी बच्चों को अपने अभिवावकों को घर जाकर तिरंगा के महत्व को बताना है। कार्यक्रम में अध्यापक जितेंद्र, भीमा यादव, पवन सिंह ,अनिल कुमार, सीमा

सिंह, एएनएम संतोषी पाल, पंचायत मित्र आदर्श तिवारी, रश्मि माधुरी , सुनीता ,आशा ,अनार देवी ने प्रतिभाग किया।

सड़क क्रॉस करने के दौरान अधेड़ की ट्रक की टक्कर से मौत

उन्नाव । ट्रक ने अधेड़ को टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। साथी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। महराजगंज के गबरुआ गांव का राजाराम गुप्त ट्रक चालक है। वह लखनऊ–कानपुर राजमार्ग स्थित दुर्गा ढाबा पर खाना खाने के लिए रुका था। साथ में खलासी भग्गन साहनी निवासी मऊ पाकड़ भी था। सड़क पार करते समय ट्रक ने भग्गन को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। चालक राजाराम भग्गन को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी। चालक व खलासी दोनों रात में ट्रक के केबिन में सो गए।

राजाराम ने सुबह देखा तो जग्गन की मौत हो गई थी। इस पर उसने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने बताया कि सड़क हादसे में खलासी की मौत हो गई। तहरीर के आधार

पर आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

'गबन मे कैशियर और संयुक्तप्रबंधक सस्पेंड, लखनऊ से आई टीम ने शुरु की मामले की जांच पड़ताल'

'गबन करने के मामले में शाखा प्रबंधक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज'

'दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी को दबिश दे रही पुलिस की टीमें'

'हमीरपुर'– राठ क्षेत्र के पनवाड़ी रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा से डेढ़ करोड़ रुपए के गबन मामले में कैशियर सहयोग व संयुक्त प्रबंधक को सस्पेंड कर दिया गया है! कैशियर की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है! शाखा प्रबंधक मनोज गिरी ने बताया कि शुक्रवार को कैश का मिलान किया गया था इसमें 1 करोड़,59 लाख 94 हजार तीन सौ 75 रुपए कम पाए गए थे! शाखा का सारा कैस गोहांड निवासी हैंड कैशियर सुरेंद्र राजपूत व संयुक्त प्रबंधक हंसराज त्रिपाठी के संयुक्त निगरानी में रहता था! हेड कैशियर सुरेंद्र राजपूत ने पूछताछ के दौरान गबन की बात मौखिक तौर पर स्वीकार कर 10–15 दिन का समय मांगा था! को कैशियर बैंक ड्यूटी पर नहीं पहुंचे! शाखा प्रबंधक ने कैशियर सुरेंद्र राजपूत व संयुक्त प्रबंधक हंसराज त्रिपाठी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है! क्षेत्रीय प्रमुख धर्मेंद्र कुमार व मुख्य प्रबंधक रीजनल शाखा ओम नारायण वर्मा ने शाखा पहुंचकर मामले की गहन जांच पड़ताल की थी! शाखा प्रबंधक ने बताया कि कैशियर दिनेश राजपूत व संयुक्त प्रबंधक हंसराज त्रिपाठी को सस्पेंड कर दिया है! कोतवाल दिनेश सिंह ने बताया कैशियर की तलाश में जगह–जगह दबिश दी जा रही है! जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा !

'आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत जिलेभर में फहरेंगे 2.46 लाख झंडे, तैयारियां जोरों पर'

हमीरपुर'– आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत आगामी 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है! विकास भवन में झंडा बैंक का भी शुभारंभ हो गया है!जहां पर दानवीरों के द्वारा झंडे दान किए जा रहे हैं! जिलाधिकारी डॉ चंद्र भूषण त्रिपाठी व सीडीओ मथुरा प्रसाद मिश्र ने संयुक्त रूप से बताया कि इस अभियान के तहत 2.46 लाख झंडो से पूरे जिले में फहराए जाएंगे! डीएम व सीडीओ ने संयुक्त रूप से दी गई जानकारी में बताया कि 11 से 17 अगस्त के मध्य आजादी का अमृत महोत्सव सप्ताह मनाया जाएगा! जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे! इसी क्रम में 13 से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा अभियान चलेगा ! जिसके तहत हर घर, कार्यालयों में तिरंगा ध्वज फहराया जाएगा! घरों में 13 अगस्त को टकराने के बाद 13 अगस्त को ध्वज फहराने के बाद 15 अगस्त की शाम सूर्यास्त से पूर्व उतारना होगा! वही कार्यालयों में 13 14 व 15 अगस्त तीनों दिन शुभा ध्वज फहराया जाएगा और सूर्यास्त से पहले उतारा जाएगा! वहीं जहां सौ मीटर से ऊंचा ध्वज फहरेगा उसे नहीं उतारा जाएगा!